बीए अर्थशास्त्र

Semester 01 (Paper 01)

उपभोक्ता का बचत

Consumer's Surplus

उपभोक्ता से आर्थिक कल्याण की दृष्टि से उपभोक्ता की बचत का अपना एक विशेष महत्त्व है इस सिद्धांत की कल्पना सर्वप्रथम सन 1844 में एक **फ्रांसीसी अर्थशास्त्री** एवं इंजीनियर **आर के दुपिट** द्वारा की गयी थी।

इसके बाद **प्रो. मार्शल** ने इस धारणा का वैज्ञानिक विश्लेषण 1890 में ***'प्रिंसिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स'*** में किया।

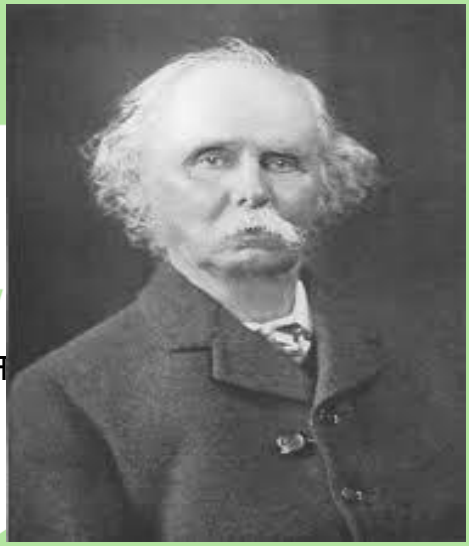

मार्शल ने इसे ***'उपभोक्ता का लगान' (Consumer's Rent)*** तथा बाद में ***उपभोक्ताओं की बचत*** के नाम से पुकारा हैं

आधुनिक अर्थशास्त्री इसे **क्रेता की बचत** का नाम से भी ज

मार्शल की बाद ***प्रो. हिक्स*** इसने इस विचार को *तटस्थता वक्र* की सहायता से प्रस्तुत किया है

परिभाषा

प्रो. मार्शल ने इस सिद्धांत की परिभाषा में कहा है, "किसी वस्तु के उपभोग से वंचित रहने की अपेक्षा उपभोक्ता जो कीमत देने के लिए तत्पर रहता है तथा वास्तव में जो कीमत देता है उसके अंतर को उपभोक्ता की बचत कहते हैं"।

प्रो. जे के मेहता के अनुसार, "किसी वस्तु से जो उपभोक्ता को बचत प्राप्त करता है वह उस वस्तु से मिलने वाली संतुष्टि तथा उसमें प्राप्त करने के लिए त्यागी गई संतुष्टि का अंतर है"।

इस प्रकार,

उपभोक्ता किसी वस्तु या सेवा के उपभोग से वंचित रहने की अपेक्षा उस वस्तु या सेवा के लिए जो मूल्य दे सकता है और जो मूल्य वास्तव में वह देता है उन दोनों का अंतर ही उपभोक्ता की बचत है।

उपभोक्ता की बचत = कीमत जो हम दोनों को तैयार है - कीमत जो हम वास्तव में देते हैं

उपभोक्ता की बचत- मार्शल का दृष्टिकोण

मार्शल द्वारा प्रतिपादित उपभोक्ता की बचत की धारणा सीमांत तुष्टिगुण ह्रास नियम पर आधारित है।

'उपभोक्ता जैसे जैसे किसी वस्तु की अधिक से अधिक इकाई या क्रय करता जाता है प्रत्येक अगले इकाई का सीमांत तुष्टिगुण समस्या कम होता जाता है किंतु वह किसी वस्तु की इकाइयों का क्रय उस सीमा तक करता है जहाँ पर उन वस्तु का सीमांत तुष्टिगुण उस वस्तु की कीमत के बराबर हो जाता है।

इस प्रकार उपभोक्ता किसी वस्तु की अधिसीमांत इकाइयों के उपभोग से जितना उपयोगिता प्राप्त करता है उसे कीमत के रूप में कम तुष्टिगुण त्याग करना पड़ता है इस प्रकार जो अतिरिक्त तुष्टिगुण प्राप्त होता है वहीं उपभोक्ता के बचत को जन्म देता है।

सेबों की इकाइयाँ	वह कीमत जो उपभोक्ता देने को तैयार है (₹)	बाजार की कीमत (₹)	उपभोक्ता की बचत (₹)
1	50	10	50-10=40
2	40	10	40-10=30
3	30	10	30-10=20
4	20	10	20-10=10
5	10	10	10-10=0

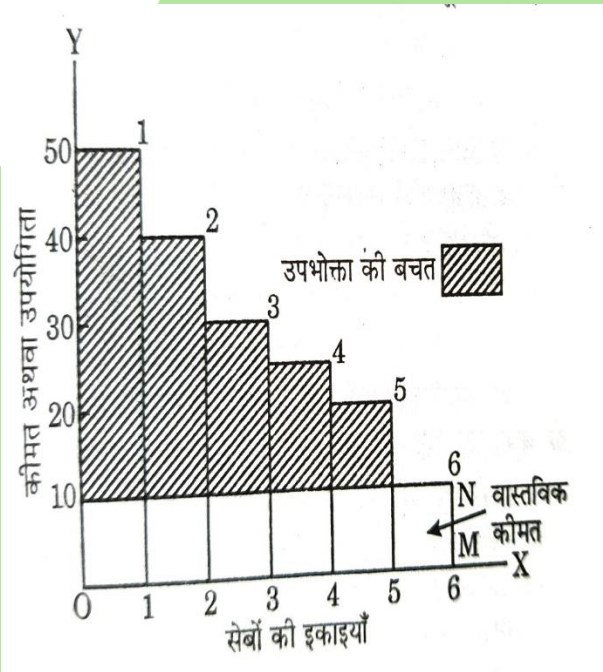

नियम की मान्यताये

- सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम की मान्यताएँ लागू होती है।
- मुद्रा के सीमांत उपयोगिता का स्थिर होना
- प्रत्येक वस्तु का अन्य वस्तुओं से पूर्ण स्वतंत्र होना
- स्थानापन्न वस्तुएँ का ना होना
- आय, रुचि, फैशन आदि का प्रभाव न पड़ना

उपभोक्ता की बचत की आलोचनायें

प्रो. *निकोलसन, रॉबिन्स, डेवनपोर्ट और कैनल* आदि अर्थशास्त्रियों ने **मार्शल** द्वारा प्रस्तुत इस उपभोक्ता को बचत के सिद्धांत की आलोचना की है-

- उपभोक्ता की बचत की धारणा वैज्ञानिक नहीं है।
- उपभोक्ता की बचत का सिद्धांत एक काल्पनिक सिद्धांत है।
- जीवन रक्षा तथा अत्यंत विलासिताओं के साथ यह धारणा लागू नहीं होती है।
- उपभोक्ता की संपूर्ण मांग सारणी का ज्ञान नहीं हो पाता है।
- उपभोक्ता की बचत परिवर्तनशील होती है।
- उपभोक्ता की बचत ठीक ठीक मापन असंभव है।

उपभोक्ता की बचत- हिक्स का दृष्टिकोण

मार्शल के दृष्टिकोण में निहित *अवास्तविक मान्यताओं* को दूर करने के लिए हिक्स ने उपभोक्ता को बचत को विचार पुन:निर्माण **तटस्थता वक्र विश्लेषण** के द्वारा किया। तटस्थता वक्र विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता की बचत की व्याख्या करने में उपयोगिता को ***परिमाणात्मक*** रूप ने मापने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इस प्रकार हिक्स ने मार्शल द्वारा प्रतिपादित उपभोक्ता को बचत के विचारों की एक मुख्य आलोचना को दूर करने का प्रयत्न किया ।

इस विश्लेषण विधि में उन्होंने मुद्रा के सीमांत तुष्टिगुण को स्थिर नहीं माना तथा स्थानापन्न और पूरक वस्तुओं के प्रभाव को भी ध्यान में रखा

इस प्रकार ने अन्य दो अवास्तविक मान्यताओं को भी दूर करने का प्रयत्न किया

हिक्स ने उपभोक्ताओं की बचत के विचार एक दूसरे प्रकार से इस प्रकार परिभाषित किया "जब किसी वस्तु की कीमत गिर जाती है तो उसके दो प्रभाव होते हैं-

- उपभोक्ता वस्तुओं की कुछ अधिक मात्रा खरीद सकता है और उसको किसी अन्य वस्तुओं के स्थान पर प्रयोग कर सकता है जिसकी कीमत कम नहीं हुई है।
- कीमत गिर जाने से वस्तु सस्ती हो जाती है इसीलिए वस्तु पर उपभोक्ता को पहले की अपेक्षा कम हो जाता है इन दोनों बातों का प्रभाव यह होगा कि उपभोक्ता की स्थिति पहले की अपेक्षा अच्छी हो जाती है ।

दूसरे शब्दों में यदि किसी वस्तु की कीमत गिर जाती है तो एक प्रकार से उपभोक्ता वास्तविक आय बढ़ जाती है। **वास्तव की यही वृद्धि उपभोक्ता की बचत** है

हिक्स के शब्दों में "उपभोक्ता की बचत को स्पष्ट करके का सबसे अच्छा तरीका है इसे किसी वस्तु की कीमत में कमी होने के परिणामस्वरूप मौद्रिक आय में लाभ की भांति समझना चाहिए किसी वस्तु को खरीदने पर आय में जो बचत होगी वहीं उपभोक्ता की बचत कहलाएगी"।

उपभोक्ता की बचत का महत्त्व

उपभोक्ता की बचत के महत्त्व को निम्न दो रूपों में समझा जा सकता है

सैद्धांतिक महत्त्व तथा व्यवहारिक महत्त्व

उपभोक्ता की बचत का सैद्धांतिक महत्त्व

- **कीमत एवं तुष्टिगुण का अंतर**
- **वातावरण से प्राप्त लाभ का ज्ञान** यह वातावरण या अवसरों से प्राप्त ऐसे अनेक लाभों का ज्ञान कराता है जिनके विषय में हम जागरूक नहीं हैं ये साधारणतया हमारा ध्यान उनकी तरफ नहीं जाता

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यवहारिक महत्त्व

आर्थिक स्तर की तुलनात्मक अध्ययन में महत्त्व - दो देश या दो क्षेत्रों के बीच आर्थिक स्तर की तुलना करने के लिए भी उपभोक्ता बचत के विचार महत्त्व है

एकाधिकारी के लिए महत्त्व - एकाधिकारी अकेला उत्पादन करता होने के कारण हमेशा यहाँ विचार करता है कि वस्तुओं की कीमतें अधिक करके लाभ अधिक उठाया जा सके अतः वस्तु की कितनी कीमत बढ़ाया जाये ताकि अधिकतम लाभ लिया जा सके इसके लिए उपभोक्ता बचत के सिद्धांत की सहायता ली जा सकती है

राजस्व के क्षेत्र में महत्त्व - वित्त मंत्री उपभोक्ता की बचत के सिद्धांत का प्रयोग नए कर लगाने, कर के दर में वृद्धि करने या उपभोक्ता से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के समय करता है। जब सरकार वस्तुओं पर नए कर लगाती है तब वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होती है और उपभोक्ता को प्राप्त होने वाली बचत कम हो जाती है

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में लाभ में महत्त्व - उपभोक्ता से बचत की विचारधारा का एक प्रमुख लाभ यह है कि इसके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से मिलने वाले लाभ को भी मापा जा सकत है ।

LIKE AND ***SHARE*** THE CLASS LINK

SUBSCRIBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

WhatsApp/ 7830010683

FOLLOW ME ON *INSTAGRAM* / @theeconomicsguru

FOLLOW ME ON *FACEBOOK* / Nakul Dhali

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE